

कसर न उठा रखना/न छोड़ना/न रखना- कोई कमी न रखना, सभी प्रकार पूरा कर देना; कसर निकलना- कमी या हानि पूरी होना, बदला ले लेना; कसर निकालना- क्षतिपूर्ति करना; किसी से कसर निकालना- किसी को हानि पहुँचाकर संचित द्वेष/वैर का बदला लेना; (परस्पर) कसर पड़ना- द्वेष के कारण संबंधों में परस्पर अंतर आना।

**कसरत स्त्री.** (अर.) 1. व्यायाम 2. अधिकता, प्रचुरता।

**कसरती वि.** (अर.) 1. व्यायामशील, व्यायाम करने वाला 2. व्यायाम से पुष्ट।

**कसरहट्टा पुं.** (देश.) 1. कसेरे लोगों का बाजार 2. काँसे तौबा, पीतल के बरतनों का बाजार।

**कसली स्त्री.** (तद्.) एक प्रकार का छोटा फावड़ा, कसी।

**कसवाई स्त्री.** (देश.) 1. कसने या कसवाने का मेहनताना (पारिश्रमिक) 2. कसवाने की क्रिया, भाव।

**कसवाना स.क्रि.** (देश.) कसना का प्रेरणात्मक- किसी वस्तु को कसने का काम किसी अन्य से कराना, कसाना।

**कसा वि.** (तद्.) 1. मजबूती से बँधा अथवा तना हुआ, वीणा के कसे तार 2. पूरी तरह साज से युक्त जैसे- कसा घोड़ा 3. पूरी तरह तैयार जैसे- कसा-कसाया वि. ढीला।

**कसाइया वि.** (तद्.) 1. कषाय वर्ण का 2. गेरु या लाल रंग वाला।

**कसाई पुं.** (अर.) 1. जानवरों को काटकर उनके माँस का रोजगार करने वाला व्यक्ति, बूचड़ 2. अत्यंत निर्दयी आदमी स्त्री. कसने की मजदूरी/कार्य, भाव मुहा. कसाई के खूटे से बंधना- निष्ठुर या निर्दय व्यक्ति का साथ होना या व्याह हो जाना, निर्दयतापूर्ण (निष्ठुर) व्यवहार वाले स्थान पर जा फँसना पहुँचना।

**कसाईखाना पुं.** (अर.+फा.) 1. वह स्थान जहाँ माँस के व्यवसाय हेतु पशुवध होता है 2. पशुओं को काटे जाने का स्थान।

**कसाकस क्रि.वि.** (देश.) 1. अच्छी तरह कसे हुए होने का भाव 2. अच्छी तरह कसा हुआ अथवा भरा हुआ उदा. आज रेल के डिब्बे में कसाकस भीड़ थी वि. 1. अच्छी तरह 2. ठसाठस।

**कसा-कसाया वि.** (देश.) 1. कसे हुए सोने वाला 2. पूर्ण रूप से तैयार 3. प्रस्थान के लिए तैयार या उद्यत।

**कसाकसी स्त्री.** (देश.) 1. बहुत अधिक कसे होने की अवस्था 2. परस्पर तनातनी द्वेष या वैर-विरोध 3. खींचातानी उदा. बाबू व अफसर दोनों की कसाकसी में मेरे प्रकरण का निराकरण नहीं हो पाया।

**कसाना स.क्रि.** (तद्.) दे. कसवाना।

**कसामसी स्त्री.** (देश.) 1. अधिक भीड़ के कारण सीमित स्थान में परस्पर धक्का-मुक्की, धक्कम धक्का, (घर्षण) 2. स्थान की संकीर्णता।

**कसार पुं.** (देश.) 1. चीनी, बूरा, मेवा आदि मिलाकर भूना हुआ आटा 2. कथा आदि के प्रसंग में प्रसाद-स्वरूप वितरित किए जाने वाली पंजीरी, पँजीरी 3. (तद्.) कासार छोटा तालाब उदा. फूले कमल कसार।

**कसाला पुं.** (तद्.) विपत्ति, कष्ट, मुसीबत उदा. छाले परे पगनि, अधर पै जाले परे, कठिन कसाले परे, लाले परे जान के -उद्धव (शतक-111-रत्नाकर)।

**कसाव पुं.** (देश.) 1. कसने का तरीका, अवस्था, भाव 2. खिंचाव, तनाव 3. कसावट 4. कसैलापन।

**कसावट स्त्री.** (देश.) कसे हुए होने, कसने तथा कसाने की क्रिया, अवस्था, भाव 2. बनावट, कसन, गठन और कार्य करने की योग्यता या शक्ति 3. शरीर की गठन या कस-बल।

**कसावड़ा पुं.** (देश.) कसाई।

**कसावर पुं.** (देश.) एक प्रकार का देहाती बाजा।

**कसि क्रि.वि.** (तद्.) 1. कसकर, मजबूती से बाँधकर उदा. कमर में पेटी कसि लो 2. परखकर, जाँचकर, कस कर उदा. कनक सौं लेहु कसि -